

## पोलियो

### प्रलिस के लयः

पोलियो, वैक्सीन वुतुपन्न पोलियो वायरस, डब्ल्यूएचओ, सार्वभौमिकि टीकाकरण कार्यक्रम.

### मेन्स के लयः

पोलियो वायरस, टीकाकरण, उनमूलन ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में कोलकाता में 'सीवेज के नमूनों की पर्यावरण नगरानी' (Environmental Surveillance Of Sewage Samples) के दौरान 'वैक्सीन-वुतुपन्न पोलियो वायरस' (**Vaccine-Derived Poliovirus- VDPV**) की उपस्थिति पाई गई ।

- सबसे अधिक संभावना इस बात की है कयिह प्रतरिक्षा की कमी के कारण कई गुना बढ़ गया है । यह मानव-से-मानव पोलियो स्थानांतरण का मामला नहीं है ।
- VDPV कमजोर पोलियो वायरस का एक प्रकार है, यह शुरू में OPV (ओरल पोलियो वायरस टीके) में शामिल था और जो समय के साथ परिवर्तित हो गया तथा वाइलड या स्वाभाविक रूप से होने वाले वायरस की तरह व्यवहार करता है ।

## पोलियो क्या है?

### परचियः

- पोलियो अपंगता का कारक और एक संभावति घातक वायरल संक्रामक रोग है जो तंत्रिका तंत्र को प्रभावति करता है ।
- प्रतरिक्षात्मक रूप से मुख्यतः पोलियो वायरस के तीन अलग-अलग उपभेद हैं:
  - वाइलड पोलियो वायरस 1 (WPV1)
  - वाइलड पोलियो वायरस 2 (WPV2)
  - वाइलड पोलियो वायरस 3 (WPV3)
- लक्षणात्मक रूप से तीनों उपभेद समान होते हैं और पक्षाघात तथा मृत्यु का कारण बन सकते हैं ।
- हालाँकि इनमें आनुवंशिकि और वायरोलॉजिकल अंतर पाया जाता है, जो इन तीन उपभेदों के अलग-अलग वायरस बनाते हैं, जनिहें प्रत्येक को एकल रूप से समाप्त कया जाना आवश्यक होता है ।

### प्रसारः

- यह वायरस मुख्य रूप से 'मलाशय-मुख मार्ग' (Faecal-Oral Route) के माध्यम से या दूषति पानी या भोजन के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में प्रेषति होता है ।
- यह मुख्यतः 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावति करता है । आँत में वायरस की संख्या में बढ़ोतरी होती है, जहाँ से यह तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है और पक्षाघात का कारण बन सकता है ।

### लक्षणः

- पोलियो से पीड़ति अधिकांश लोग बीमार महसूस नहीं करते हैं । कुछ लोगों में केवल मामूली लक्षण पाए जाते हैं, जैसे- बुखार, थकान, जी मचिलाना, सरिदरद, हाथ-पैर में दरद आदि ।
- दुरलभ मामलों में पोलियो संक्रमण के कारण मांसपेशियों के कार्य का स्थायी नुकसान (पक्षाघात) होता है ।
- यदि साँस लेने के लयि उपयोग की जाने वाली मांसपेशियाँ लकवाग्रस्त हो जाएँ या मस्तिष्क में कोई संक्रमण हो जाए तो पोलियो घातक हो सकता है ।

### रोकथाम और इलाजः

- इसका कोई इलाज नहीं है लेकनि **टीकाकरण** से इसे रोका जा सकता है ।

### टीकाकरणः

- **ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV)**: यह संस्थागत प्रसव के दौरान जन्म के समय ही दी जाती है, उसके बाद प्रथमकि तीन खुराक 6, 10 और 14 सप्ताह में तथा एक बूस्टर खुराक 16-24 महीने की उम्र में दी जाती है ।

- **इंजेक्टेबल पोलियो वैक्सीन (IPV):** इसे **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP)** के तहत **DPT (डिप्थीरिया, परटुसिस और टेटनस)** की तीसरी खुराक के साथ एक अतिरिक्त खुराक के रूप में दिया जाता है।

## हाल के प्रकोप:

- वर्ष 2019 में पोलियो का प्रकोप फिलीपींस, मलेशिया, घाना, म्यांमार, चीन, कैमरून, इंडोनेशिया और ईरान में दर्ज किया गया था, जो ज़्यादातर वैक्सीन-व्युत्पन्न थे, जसिमें वायरस का एक दुर्लभ स्ट्रेन आनुवंशिक रूप से वैक्सीन में स्ट्रेन से उत्पन्न होता था।
  - **वशिव स्वास्थ्य संगठन (WHO)** के अनुसार, यदि वायरस को उत्सर्जित किया जाता है और कम-से-कम 12 महीनों के लिये एक अप्रतिरक्षित या कम-प्रतिरक्षित आबादी में प्रसारित होने दिया जाता है तो यह संक्रमण का कारण बन सकता है।

## भारत और पोलियो:

- तीन वर्ष के दौरान शून्य मामलों के बाद भारत को वर्ष 2014 में WHO द्वारा पोलियो-मुक्त प्रमाणन प्राप्त हुआ।
  - यह उपलब्धि उस सफल **पलस पोलियो अभियान** से प्रेरित है जिसमें सभी बच्चों को पोलियो की दवा पलाई गई थी।
  - देश में वाइल्ड पोलियो वायरस का अंतिम मामला 13 जनवरी, 2011 को सामने आया था।

## पोलियो उन्मूलन उपाय:

### वैश्विक:

- **वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल:**
  - इसे वर्ष 1988 में वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल (GPEI) के तहत राष्ट्रीय सरकारों और WHO द्वारा शुरू किया गया था। वर्तमान में विश्व की 80% आबादी पोलियो मुक्त है।
    - पोलियो टीकाकरण गतिविधियों के दौरान वटामिनि-A के व्यवस्थित प्रबंधन के माध्यम से अनुमानित 1.5 मिलियन नवजातों की मौतों को रोका गया है।
- **वशिव पोलियो दविस:**
  - यह प्रत्येक वर्ष 24 अक्टूबर को मनाया जाता है ताकि देशों को बीमारी के खिलाफ अपनी लड़ाई में सतर्क रहने का आह्वान किया जा सके।

### भारत:

- **पलस पोलियो कार्यक्रम:**
  - इसे ओरल पोलियो वैक्सीन के अंतरगत शत-प्रतिशत कवरेज प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।
- **सघन मशिन इंटरधनुष 2.0:**
  - यह पलस पोलियो कार्यक्रम (वर्ष 2019-20) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान था।
- **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम:**
  - इसे वर्ष 1985 में 'प्रतिरक्षण के वसितारित कार्यक्रम' (Expanded Programme of Immunization) में संशोधन के साथ शुरू किया गया था।
  - इस कार्यक्रम के उद्देश्यों में टीकाकरण कवरेज में तेज़ी से वृद्धि, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, स्वास्थ्य सुविधा स्तर पर एक विश्वसनीय कोल्ड चेन सिस्टम की स्थापना, वैक्सीन उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना आदि शामिल हैं।

## स्रोत: द हट्टि